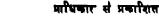
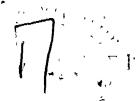


असाधारण EXTRAORDINARY

धाग I—तण्ड 1 PART I-Section 1

PUBLISHED BY AUTHORITY





No 41]

नहैं विरुली, शनिवार, मार्च 5, 1977/फारुगुन 14, 1898

No. 41]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 5, 1977/PHALGUNA 14, 1898

इस भाग में भिन्न पुरु संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन वे रूप में रखा जा सर्वे।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC 1 OTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 5th March 1977

Subject.—Import of Acrylic Monomer. O.G.L. No. CVII dated 31-12-1976.

No. 16-ITC(PN)/77.—Attention is invited to OGL No. CVII issued under Ministry of Commerce, Import Trade Control Order No. 24/76 dated the 31st December, 1976, in terms of which import of acrylic monomer has been included under OGL for imports by State Chemicals and Pharmaceuticals Corporation of India Limited (CPC) for meeting the requirements of actual users in terms of para 90 of Section I of the Red Book (Volume I) for the period April 1976—March 1977.

2. It is clarified that import of Methyl Methacrylate Monomer only is allowed under Open General Licence by the State Chemicals and Pharmaceuticals of India Limited (CPC) for meeting the requirements of actual users, in terms of para 90 of Section I of the Red Book (Volume I) for the period April 1976—March 1977. Actual users will not be eligible to import this item under the Open General Licence. In respect of other Acrylic Mongmers, import licences will continue to be issued to the actual users under the automatic and supplementary licensing scheme during the current licensing period

A. S. GILL.

Chief Controller of Imports & Exports

वाणिज्य मंत्रालय

मार्वजनिक सूचना

ग्रायात व्यापार नियंत्रक

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1977

विषय.—एकिलिक मोनोमर का भ्रायात : खुला सामान्य लाइसेंस सं० 107 दिनाक 31-12-1976.

संख्या 16-झाई दी सी (पी एन) 77.—श्राणिज्य महालय के भ्रायात व्यापार नियद्मण भ्रादेश सं० 24/76 दिनांक 31 दिसम्बर, 1976 के भ्रन्तर्गत जारी किए गए खुले सामान्य लाइसेंस सं० 107 की भ्रोर ध्यान भ्राकुष्ट किया जाता है जिसके भ्रनुसार भ्रमेल 1976-मार्च, 1977 भ्रविध की रेड बुक (बा० 1) के खड़ 1 के पैरा 90 के भ्रनुसार वास्तविक उपयोक्ताभ्रों की भ्रावश्यकताभ्रों को पूर्ण करने के लिए एकिलिक मोनोमार के भ्रायात को भारत के राज्य रसायन तथा भेषज निगम लि० (के पी सी) के द्वारा भ्रायात के लिए खुले सामान्य लाइसेंस में भ्रामिल किया गया है।

2. यह स्पष्ट किया जाता है कि श्रप्रैल 1976— मार्च, 1977 की श्रवधि की रेड़ बुक (बाо 1) के खंड 1 के पैरा 90 के श्रनुसार वास्तविक उपयोक्ताओं की श्रावण्यकताश्रों को पूर्ण करने के लिए खुले सामान्य लाइसेंस के श्रन्तर्गत केवल भारत के राज्य रसायन तथा भवंज निगम लि० (के पी सी) को मेथाइल मेथाकाइलेट मोनोमर के श्रायात की श्रनुमति है। वास्तविक उपयोक्ता खुले सामान्य लाइसेंस के श्रन्तर्गत इस मद का श्रायांत करने के लिए पाल नहीं होगे। श्रन्य एकिलिक मोनोमर के सम्बन्ध में, वर्तमान लाइसेंस श्रवधि के दौरान स्वत श्रीर सम्पूरक लाइसेंस योजना के श्रन्तर्गत वास्तविक उपयोक्ताश्रों को श्रायात लाइसेंस प्रदान करना जारी रहेगा।

ए० एस० गिल, मुख्य नियन्नक, ग्रायोत-निर्यात ।